Hindi (Hons)

1ST SEMESTER

DSC-CC 101

हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

आदिकाल : समय सीमा निर्धारण एवं नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक साहित्य

भक्तिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

रीतिकाल : सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

हिंदी गद्य का विकास : आदिकाल से रीतिकाल तक।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- काल विभाजन एवं नामकरण से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों का बोध कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।
- हिंदी काव्य के विकास से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी साहित्य के इतिहास का रीतिकाल समझ पाएंगे।
- भक्ति धारा को समझ पाएंगे।
- हिंदी गद्य का विकास समझ पाएंगे।
- आदिकालीन साहित्य समझ पाएंगे।

DSC-CC102

हिंदी कविता (आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

विद्यापति - सैसव जौवन दरसन (पद सं. 5), अविरल नयन (55)

कबीर- राम नाम के पटंतरै, हंसि हंसि कंत न पाइयै, कायर बहुत पमादही, भगति दुहेली राम की नहि कायर का काम

जायसी - मानसरोदक खंड (पद्मावत) (आरम्भ से दोहा संख्या 2 तक)

सूरदास- जोग ठगौरी ब्रज न बिकैहैं, जसोदा मदन गोपाल सुवावै

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

तुलसीदास - ऐसी मूढ़ता या मन की, कबहुंक हौं (विनय पत्रिका)

मीराबाई- जोगिया सूं प्रीत, पायोजीं म्हें तो राम रतन धन

बिहारी- तंत्री नाद कवित्त रस, या अनुरागी चित्त की, स्वास्थ सुकृत न श्रम, चिरजीवौ जोरी

घनानंद- झलके अति सुंदर आनन गौर, पहिलें अपनाय सुजान

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियो से परिचित कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
- आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता समझ पाएंगे।
- तुलसीदास की रचना विनय पत्रिका में निहित भाव को समझ पाएंगे।
- सूरदास की काव्यगत विशेषता को समझ पाएंगे।

GE-Paper-I
सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

रिपोर्ताज अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इण्टरव्यू / भेंटवार्ता) उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार- प्रविधि, महत्त्व ।

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा कौशल के विभिन्न आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।
- फीचर लेखन से अवगत कराना।
- रिपोतार्ज एवं साक्षात्कार से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे।
- साक्षात्कार विषय की पहचान कर सकेंगे।
- फीचर लेखन कौशल सीखेंगे।

REVISED SYLLABUS OF CBCS (HINDI)
B.A. (PROGRAMME) HINDI
CORE COURSE (CC)
1st Semester
DSC-1A
हिंदी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

• काल विभाजन और नामकरण, आदिकालीन काव्य धाराएं सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिंदी की

सामान्य विशेषताएं।

• भक्ति आन्दोलन: सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएं।

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध तथा रीतिमुक्त कवि।

• 1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी नवजागरण, भारतेन्दु युगीन साहित्य की विशेषताएं, महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग,

द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा।

• हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी साहित्य इतिहास के नामकरण,काल विभाजन एवं इतिहास दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिंदी काव्य के विकास से अवगत कराना।
- रीतिकाल के काव्य को विद्यार्थियों के लिए बोधगम्य बनाना।
- आधुनिक कालीन साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी साहित्य के काल विभाजन और नामकरण समझ पाएंगे।
- भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि समझ पाएंगे।
- हिंदी में गद्य विधाओं का उद्भव और विकास समझ पाएंगे।
- आदिकालीन काव्य धारा समझ पाएंगे।

LCC-1

हिंदी भाषा और साहित्य (MIL)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

हिंदी शब्द की व्युत्पत्ति

• हिंदी भाषा की विशेषताएं किया, विभक्ति, सर्वनाम एवं अव्यय संबंधी ।

• हिंदी की वर्ण-व्यवस्था स्वर एवं व्यंजन तथा इनके प्रकार

• मुहावरे, लोकोक्तियां, विविध प्रकार के पत्र-लेखन

साहित्य :

कविता :

कबीर : सतगुर सवाँन को सगा, राम नाम के पटतरे (गुरुदेव को अंग), सबै रसायन मैं क्रिया (रस को अंग), कबीर मन मधुकर

भया (परचा को अंग)

तुलसीदास : बध्यो बधिक पर्यो पुन्य जल, हम लखि लखहि हमार लखि, जड़ चेतन गुन दोष..... नहिं जाचत नहिं संग्रही...।

रहीम : रहिमन निजमन की व्यथा.... रहिमन धागा प्रेम का.... रहिमन पानी राखिए.... कदली सीप भुजंग मुख...।

बिहारी : जप माला छापा तिलक..... तंत्री नाद कवित्त-रस.... कहलाने एकत बसत.... कहत नटत रीझत ।

आधुनिक कविता :

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से (जयशंकर प्रसाद) ध्वनि (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला) अकाल और उसके बाद (नागार्जुन) एक पारिवारिक प्रश्न (केदारनाथ सिंह)

गद्य साहित्य :

दो बैलों की कथा (प्रेमचंद) गिल्लू (महादेवी वर्मा) ठेस (फणीश्वर नाथ रेणु) अधिकार का रक्षक (उपेन्द्रनाथ अश्क)

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- सार्थक एवं प्रभावी बहु आयामी अभिव्यक्ति कौशल से अवगत कराना।
- व्याकरण बोध द्वारा अकादमीक एवं प्रतियोगितामूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- व्यंग एवं कहानी विधा के शिल्प की समझ विकसित करना।
- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी भाषा की विशेषता समझ पाएंगे।
- हिंदी की वर्ण व्यवस्था समझ पाएंगे।
- विविध प्रकार के पत्र लेखन समझ पाएंगे।
- आधुनिक हिंदी कविता एवं गद्य साहित्य समझ पाएंगे।

2nd Semester

DSC-CC 203

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

• आधुनिक काल: राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

हिंदी नवजागरण

भारतेन्दु युग

द्विवेदी युग

छायावाद

प्रगतिवाद

प्रयोगवाद

नयी कविता

समकालीन कविता

• हिंदी गद्य का विकास:

स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिंदी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिंदी गद्य का सामान्य बोध कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य सृजन की ओर प्रभावित होंगे।
- विद्यार्थी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी गद्य के विकास को समझ पाएंगे।

DSC-CC 204
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

भारतेन्दु - नये जमाने की मुकरी, चूरनवाले का गीत

अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध - प्रियप्रवास (अंतिम सर्ग)

मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा प्रथम खंड संपूर्ण (छंद सं.-1-9)

रामनरेश त्रिपाठी - अस्तोदय की वीणा, पुष्प विकास

जयशंकर प्रसाद - आह! वेदना मिली विदाई, पेशोला की प्रतिध्वनि

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - भारती वंदना, ध्वनि

सुमित्रानंदन पंत - द्रुत झरो, चांदनी

महादेवी वर्मा - यह मंदिर का दीप, सब आँखों के

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- आधुनिक काल के कवियों एवं उनके काव्य से परिचित कराना।
- कविता एवं व्यंग्य विधा के शिल्प की समझ विकसित करना।
- छायावाद के कवि का बोध कराना ।
- आधुनिक काल की प्रवृत्तियों का बोध कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी काव्य का प्रवृत्ति मूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी विभिन्न विधा से अवगत होंगे।

GE-Paper-II
पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छंदतावाद

अस्तित्त्ववाद

मनोविश्लेषणवाद

मार्क्सवाद

आधुनिकतावाद

कल्पना, बिंब, फैंटेसी

मिथक और प्रतीक।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र से अवगत कराना।
- काव्यशास्त्र के विभिन्न विधा से अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न 'वादों' से अवगत कराना।
- विभिन्न आलोचकों के मतों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी काव्य में उपस्थित सिद्धांतों को समझ पाएंगे।
- विभिन्न दार्शनिक चिंतन से अवगत हो पाएंगे।
- अस्तित्ववाद की समझ विकसित कर पाएंगे।

AECC-2
हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण (MIL)

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

हिंदी व्याकरण एवं रचना: संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण ।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व ।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति कौशल से अवगत कराना।
- व्याकरण बोध द्वारा अकादमीक एवं प्रतियोगिता मूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर पाएंगे।
- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- हिंदी व्याकरण एवं संप्रेषण की समझ विकसित होंगे।
- रोजगार की अपार संभावनाओं में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

2nd Semester (Programme)

DSC-2A

मध्यकालीन हिंदी कविता

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

1. कबीरदास - सतगुरू की महिमा अनंत, बिरहा-बिरहा जिनि कहाँ, मेरा मुझमें कुछ नहीं, कबिरा खड़ा बजार में।

2. सूरदास - जा दिन मन पंछी उड़ि जैहैं, जसुमति दौरि लिए हरि कनियां।

3. तुलसीदास- राम-नाम मणि दीप, उत्तम मध्यम नीचगति, ज्ञान कहे अज्ञान बिनु, एक भरोसो एक बल।

4. मीराबाई- राणा जी अब न रहौंगी तेरी हटकी, मेरे तो गिरधर गोपाल

5. रसखान- मानुष हौं तो वही रसखान, या लकुटी अरु कामरिया।

6. बिहारी - बढ़त बढ़त संपति सलिल, बतरस लालच लाल की, कहलाने एकत बसत, दृग

उरझत टूटत कुटुम्ब ।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

7. भूषण- ब्रह्म के आनन तें निकसे, जा पर साहि तनै।

8. घनानंद पहिले अपनाय सुजान सनेह सौं, झलके अति सुन्दर आनन।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत करना।
- हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिंदी कविता की परंपरा का सामान्य बोध कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी शिक्षक सामर्थ अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी काव्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।

AECC-2
MIL-Hindi
(Hindi communication for others)
हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

हिंदी व्याकरण एवं रचना संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द,

विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण।

सम्प्रेषण की अवधारणा और महत्त्व।

सम्प्रेषण के प्रकार।

साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति कौशल से अवगत कराना।
- व्याकरण बोध द्वारा अकादमीक एवं प्रतियोगिता मूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर पाएंगे।
- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- हिंदी व्याकरण एवं संप्रेषण की समझ विकसित होगी।
- रोजगार की अपार संभावनाओं में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

3rd Semester (Honours)

DSC-CC305

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

भाषा: परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।

भाषा विज्ञान: परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से सम्बंध।

स्वनिम विज्ञान: परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियां। स्वन परिवर्तन के कारण।

रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद विभाग नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।

वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार।

अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का सम्बंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं। राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी।

देवनागरी लिपि की विशेषताएं।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- व्याकरण- बोध द्वारा अकादमिक एवं प्रतियोगिता मूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रवृत्ति से अवगत कराना।
- भाषागत ज्ञान से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- आगामी सत्र में मीडिया सामग्री निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
- ध्वनि विज्ञान को समझ पाएंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- भाषा एवं भाषा विज्ञान समझ पाएंगे।
- वाक्य एवं अर्थ विज्ञान समझ पाएंगे।

DSC-CC306
छायावादोत्तर हिंदी कविता

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

केदारनाथ अग्रवाल- आज नदी बिल्कुल उदास थी, पैतृक संपत्ति

नागार्जुन- प्रतिबद्ध हूँ, यह तुम थी

रामधारी सिंह दिनकर- समर शेष है, तुम क्यों लिखते हो

माखनलाल चतुर्वेदी - कैदी और कोकिला, उलाहना

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय- मैंने आहुति बनकर देखा, सोन मछली

भवानीप्रसाद मिश्र - टूटने का सुख, बूंद टपकी

रघुवीर सहाय- स्वाधीन व्यक्ति, कविता

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना- कुआनो नदी, तुम्हारे साथ रहकर

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- काव्य के भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी काव्य का प्रवृत्ति मूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।
- छायावादोत्तर हिंदी कविता की विशेषता समझ पाएंगे।

DSC-CC307
प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, संपर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।

हिंदी की शैलियां : हिंदी, उर्दू और हिंदुस्तानी। हिंदी भाषा का उद्भव और विकास। हिंदी का मानकीकरण ।

हिंदी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता-प्रकार और शैली।

प्रयोजनमूलक हिंदी के प्रमुख प्रकार कार्यालयी हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक

हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिंदी और उसके प्रमुख लक्षण।

भाषा व्यवहार: सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा-लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र-लेखन। हिंदी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- शुद्ध,सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति कौशल से अवगत कराना।
- व्याकरण बोध द्वारा अकादमिक एवं प्रतियोगितामूलक चुनौतियों के लिए सक्षम बनाना।
- हिंदी की विभिन्न शैलियों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी दैनिक जीवन की अभिव्यक्ति को संतुलित कर पाएंगे।
- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- प्रयोजनमूलक हिंदी को समझ पाएंगे।
- हिंदी के प्रयोग क्षेत्र को समझ पाएंगे।

GE-2 paper-I
सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

रिपोर्ताज अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।

फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध

विषयों पर फीचर लेखन।

साक्षात्कार (इण्टरव्यू /भेंटवार्ता) उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्त्व।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा कौशल के विभिन्न आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।
- फीचर लेखन से अवगत कराना।
- रिपोतार्ज एवं साक्षात्कार से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे।
- साक्षात्कार विषय की पहचान कर सकेंगे।
- फीचर लेखन कौशल सीखेंगे।

SEC-1

हिंदी भाषा शिक्षण

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

• भाषा शिक्षण के संदर्भ राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक।

• भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

प्रथम भाषा / मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

• भाषा शिक्षण की विधियां

भाषा कौशल श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन। भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियां व्याकरण-अनुवाद-विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

हिंदी शिक्षण :

हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण

विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पना से अवगत कराना।
- हिंदी शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की विधियों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- भाषा शिक्षण के आधारभूत संरचना को समझ पाएंगे।
- हिंदी शिक्षण को समझ पाएंगे।
- विदेशों में हिंदी का रूप समझ पाएंगे।
- भाषा शिक्षण की विधियां समझ पाएंगे।

अथवा

SEC-1

विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

विज्ञापन : अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ।

विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।

विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान-योजना और कार्यान्वयन स्थिति सम्बंधी

विश्लेषण, रणनीति, ब्रैंड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।

विज्ञापन और माध्यम भेद मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख

एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन कानून और आचार संहिता।

विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विज्ञापन से अवगत कराना।
- विज्ञापन और माध्यम भेद से अवगत कराना।
- विज्ञापन सृजन से अवगत कराना।
- विज्ञापन अभियान से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विज्ञापन के अवधारणा एवं उद्देश्य को समझ पाएंगे।
- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान समझ पाएंगे।
- मीडिया प्लानिंग समझ पाएंगे।
- विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध समझ पाएंगे।

3rd Semester (Programme)

DSC-3A

आधुनिक हिंदी कविता

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

भारतेन्दु हरिश्चंद्र भारत : अतीत और वर्तमान, अंधेर नगरी का गीत

1. 2. मैथिलीशरण गुप्त क्या तुमको नहीं) भारत-भारती छंद संख्या 14 (हे भाइयो ! सोये बहुत), 18(है ज्ञात)

3. जयशंकर प्रसाद अरुण यह मधुमय, तुम कनक किरण के।

4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- भगवान बुद्ध के प्रति, बादल-राग-1।

5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय- नंदा देवी-6, एक सन्नाटा बुनता हूँ।

6. नागार्जुन - चंदू, मैंने सपना देखा, गुलाबी चूड़ियां।

7. रघुवीर सहाय - मेरा प्रतिनिधि, पीठ।

8. धूमिल - गाँव, रोटी और संसद।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थियों को हिंदी के महत्वपूर्ण कवि एवं काव्य से अवगत कराना।
- हिंदी कविता का प्रवृत्तिगत बोध कराना ।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना ।
- काव्य के भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियां से परिचित कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी हिंदी काव्य का प्रवृत्ति मूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ अर्जित करेंगे।
- छायावादोत्तर हिंदी कविता की विशेषता समझ पाएंगे।

SEC-1 Paper-I
हिंदी भाषा शिक्षण

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

• भाषा शिक्षण के संदर्भ राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक।

भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं

प्रथम भाषा / मातृभाषा तथा अन्य भाषा की संकल्पना

अन्य भाषा के अंतर्गत द्वितीय तथा विदेशी भाषा की संकल्पना

मातृभाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा के शिक्षण में अंतर

• भाषा शिक्षण की विधियां

भाषा कौशल श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन।

भाषा का कौशल के रूप में शिक्षण भाषा कौशलों के विकास की तकनीक और अभ्यास

अन्य भाषा शिक्षण की प्रमुख विधियां व्याकरण-अनुवाद-विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि, संरचनात्मक विधि, द्विभाषिक शिक्षण विधि।

हिंदी शिक्षण : हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा, तकनीकी तथा विशिष्ट प्रयोजन संदर्भित शिक्षा। द्वितीय भाषा के रूप में सजातीय और विजातीय भाषा वर्गों के संदर्भ में हिंदी शिक्षण।

विदेशी भाषा के रूप में विदेशों में हिंदी शिक्षण।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पना से अवगत कराना।
- हिंदी शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की विधियों से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- भाषा शिक्षण के आधारभूत संरचना को समझ पाएंगे।
- हिंदी शिक्षण को समझ पाएंगे।
- विदेशों में हिंदी का रूप समझ पाएंगे।
- भाषा शिक्षण की विधियां समझ पाएंगे।

अथवा

SEC-1 Paper-1

विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

विज्ञापन: अवधारणा, उद्देश्य एवं महत्त्व। विज्ञापन और उपभोक्ता व्यवहार, विचारधाराएं, नैतिक प्रश्न और सामाजिक संदर्भ।

विज्ञापनों का वर्गीकरण, प्रमुख अंग और सिद्धांत।

विज्ञापन और विपणन का संदर्भ, सामाजिक विपणन और विज्ञापन। विज्ञापन अभियान-योजना और कार्यान्वयन स्थिति सम्बंधी

विश्लेषण, रणनीति, ब्रैड इमेज। उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान में माध्यम योजना (मीडिया प्लानिंग) की भूमिका।

विज्ञापन और माध्यम भेद मुद्रित, दृश्य, श्रव्य एवं दृश्य-श्रव्य माध्यम। विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध। हिंदी विज्ञापनों से जुड़ी प्रमुख

एजेंसियों का परिचय। विज्ञापन कानून और आचार संहिता।

विज्ञापन सृजन : संप्रत्यय, सृजनात्मक लेखन, प्रारूप निष्पादन। अभिकल्पना (डिजाइन) के सिद्धांत और अभिविन्यास (ले आउट)।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विज्ञापन से अवगत कराना।
- विज्ञापन और माध्यम भेद से अवगत कराना।
- विज्ञापन सृजन से अवगत कराना।
- विज्ञापन अभियान से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विज्ञापन के अवधारणा एवं उद्देश्य को समझ पाएंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- उपभोक्ता वर्गीकरण और विज्ञापन अभियान समझ पाएंगे।
- मीडिया प्लानिंग समझ पाएंगे।
- विज्ञापन एजेंसी का प्रबंध समझ पाएंगे।

LCC-1 Paper-II (MIL)

हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप

हिंदी भाषा की विशेषताएं क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विश्लेषण एवं अव्यय सम्बंधी।

हिंदी की वर्ण-व्यवस्था स्वर एवं व्यंजन ।

स्वर के प्रकार-ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।

व्यंजन के प्रकार स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष ।

बलाघात, संगम, अनुताल तथा संधि।

हिंदी वाक्य रचना, वाक्य एवं उपवाक्य। वाक्य भेद। वाक्य का रूपान्तर।

भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन, विविध प्रकार के पत्र लेखन।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- शुद्ध,सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति कौशल से अवगत कराना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना
- दैनिक जीवन एवं रोजगार परक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम मानना।
- भाषागत ज्ञान से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी भाषा की विशेषता समझ पाएंगे।
- हिंदी वाक्य रचना समझ पाएंगे।
- हिंदी की वर्ण व्यवस्था समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

4th Semester

DSC-CC 408

हिंदी नाटक एवं एकांकी

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

नाटक

अंधेर नगरी: भारतेंदु हरिश्चंद्र

चंद्र गुप्त: जयशंकर प्रसाद

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात: रामकुमार वर्मा

अधिकार का रक्षक: उपेन्द्रनाथ अश्क

और वह जा न सकी: विष्णु प्रभाकर

भोर का तारा: जगदीश चंद्र माथुर

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी नाटक विधा से अवगत कराना।
- हिंदी एकांकी विद्या से अवगत कराना।
- नाटक एवं एकांकी के शिल्पगत विशेषताओं से अवगत कराना।
- नाटक में व्यंग्यात्मक शैली से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- नाटक एवं एकांकी की विशेषता समझ पाएंगे।
- नाटक एवं एकांकी के भीतर तत्व को समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी गद्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे ।

DSC-CC409

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल

हजारी प्रसाद द्विवेदी : नाखून क्यों बढ़ते हैं

शिवपूजन सहाय : महाकवि जयशंकर प्रसाद

रामवृक्ष बेनीपुरी : रजिया

माखनलाल चतुर्वेदी : तुम्हारी स्मृति

अज्ञेय : सागर कन्या और खग-शावक

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

महादेवी वर्मा : घर और बाहर 1,2,3

हरिशंकर परसाई : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी निबंध से अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य में अन्य गद्य विधाएं से अवगत कराना।
- हिंदी की गद्य विधाओं की शिल्पगत विशेषताओं से अवगत कराना।
- गद्य विधाओं में व्यंग्यात्मक शैली से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी साहित्य में गद्य विधाएं को समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी गद्य सृजन की ओर प्रवित्त होंगे।
- काव्य विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- गद्य विधा के तथ्य की समझ विकसित करना।

DSC-CC 410
हिंदी आलोचना

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

• हिंदी आलोचना की परम्परा और विकास। भारतेंदुयुगीन आलोचना - प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।

• द्विवेदीयुगीन आलोचना- प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।

• शुक्लयुगीन आलोचना- प्रवृत्तियां और प्रतिनिधि आलोचक।

• आलोचना दृष्टि: रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, अज्ञेय, मुक्तिबोध।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी आलोचना की परंपरा से अवगत कराना।
- द्विवेदी युगीन आलोचना से अवगत कराना।
- शुक्लयुगीन आलोचना से अवगत कराना।
- विभिन्न आलोचकों के आलोचना दृष्टि से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिंदी आलोचना की विकास ओर परंपरा समझ पाएंगे।
- द्विवेदी युगीन की प्रवृत्ति समझ पाएंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- विद्यार्थी हिंदी आलोचना की ओर प्रवृत्त होंगे।
- शुक्ल युगीन आलोचना की प्रवृत्ति समझ पाएंगे।

GE-2 Paper-II

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छंदतावाद

अस्तित्त्ववाद

मनोविश्लेषणवाद

मार्क्सवाद

आधुनिकतावाद

कल्पना, बिंब, फैंटेसी

मिथक और प्रतीक।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र से अवगत कराना।
- काव्यशास्त्र के विभिन्न विधा से अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न 'वादों' से अवगत कराना।
- विभिन्न आलोचकों के मतों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी काव्य में उपस्थित सिद्धांतों को समझ पाएंगे।
- विभिन्न दार्शनिक चिंतन से अवगत हो पाएंगे।
- अस्तित्ववाद की समझ विकसित कर पाएंगे।

SEC-2

अनुवाद : सिद्धांत और प्रविधि

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक- सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद प्रकिया के तीन चरण - विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष-पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रक्रिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रक्रिया)

कार्यालयी अनुवाद: राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रजेंटेशन) / कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा- संविदा/विज्ञापन।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप्।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- अनुवाद का अर्थ से अवगत कराना।
- अनुवाद के प्रकार से अवगत कराना ।
- कार्यालय अनुवाद से अवगत कराना।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि समझ पाएंगे।
- अनुवाद प्रक्रिया समझ पाएंगे।
- कार्यालय अनुवाद समझ पाएंगे।
- प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली समझ पाएंगे।

अथवा

SEC-2

रचनात्मक लेखन

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रकिया

विविध अभिव्यक्ति-क्षेत्र साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य अभिव्यक्तियां जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति लेखन के विविध रूप, मौखिक लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य

रचनात्मक लेखन : रचना कौशल-विश्लेषण

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं विविध विद्याओं की आधारभूत रचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

क. कविता: संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श

ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म

घ. विविध गद्य-विद्याएं निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना तंत्र के लिये लेखन

प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन.

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- रचनात्मक लेखन के स्वरूप से अवगत कराना।
- रचना कौशल से अवगत कराना।
- कथा साहित्य से अवगत कराना।
- बाल साहित्य से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- लेखन के विविध रूप समझ पाएंगे।
- रचनात्मक लेखन के विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र समझ पाएंगे।
- नाट्य साहित्य को समझ पाएंगे।
- प्रिंट माध्यम को समझ पाएंगे।

4th Semester (Programme)

DSC-4A

हिंदी गद्य साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

उपन्यास :

सुनीता - जैनेन्द्र कुमार

कहानी :

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

आहुति – प्रेमचंद

वापसी - उषा प्रियंवदा

निबंध:

लोभ और प्रीति - रामचंद्र शुक्ल

शिरीष के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी

नाटक:

बकरी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी कहानी से अवगत कराना।
- हिंदी उपन्यास से अवगत कराना।
- हिंदी निबंध से अवगत करना।
- हिंदी गद्य साहित्य से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- गद्य के विद्या को समझ पाएंगे।
- उपन्यास एवं निबंध के महत्व समझ पाएंगे।
- कहानी विधा के तत्व समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी काव्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।

DSC-4B

हिंदी निबंध

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

1. बालकृष्ण भट्ट - साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है

2. चंद्रधर शर्मा गुलेरी - कछुआ धरम

3. रामचंद्र शुक्ल- मानस की धर्मभूमि

4. महादेवी वर्मा - जीने की कला

5. रामधारी सिंह दिनकर- भारत की सांस्कृतिक एकता

6. हरिशंकर परसाई - निंदारस

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

7. विद्यानिवास - अस्ति की पुकार हिमालय

8. निर्मल वर्मा - अतीत एक आत्म-मंथन

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी निबंध से अवगत कराना।
- निबंध के तत्व से अवगत कराना।
- निर्मल वर्मा के निबंध से अवगत कराना।
- रामचंद्र शुक्ल के निबंध तत्व से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- बालकृष्ण भट्ट के निबंध रचना को समझ पाएंगे।
- हरिशंकर परसाई जी के निबंध में व्यक्त व्यंग्य को समझ पाएंगे ।
- विद्यार्थी काव्य सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे ।
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी के निबंध रचना को समझ पाएंगे।

SEC-1 Paper-II
अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रविधि

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और प्रकृति। अनुवाद कार्य की आवश्यकता और महत्त्व। बहुभाषी समाज में परिवर्तन तथा बौद्धिक- सांस्कृतिक आदान-प्रदान में अनुवाद कार्य की भूमिका।

अनुवाद के प्रकार : शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद एवं सारानुवाद। अनुवाद प्रकिया के तीन चरण - विश्लेषण, अंतरण एवं पुनर्गठन। अनुवाद की भूमिका के तीन पक्ष-पाठक की भूमिका (अर्थग्रहण की) द्विभाषिक की भूमिका (अर्थातंरण की प्रकिया) एवं रचयिता की भूमिका (अर्थसम्प्रेषण की प्रकिया)

कार्यालयी अनुवाद: राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3(3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद। शासकीय पत्र/अर्धशासकीय पत्र/परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रजेंटेशन) / कार्यालय आदेश / अधिसूचना/संकल्प-प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/निविदा- संविदा/विज्ञापन।

पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के सिद्धांत, कार्यालय, प्रशासन विधि, मानविकी बैंक एवं रेलवे में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली तथा प्रमुख वाक्यांश के अंग्रेजी तथा हिंदी रूप्।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- अनुवाद का अर्थ से अवगत कराना।
- अनुवाद के प्रकार से अवगत कराना ।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- कार्यालय अनुवाद से अवगत कराना।
- पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- अनुवाद सिद्धांत और प्रविधि समझ पाएंगे।
- अनुवाद प्रक्रिया समझ पाएंगे।
- कार्यालय अनुवाद समझ पाएंगे।
- प्रमुख पारिभाषिक शब्दावली समझ पाएंगे।

अथवा

SEC-1 Paper-II

रचनात्मक लेखन

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

भाषा एवं विचार की रचना में रूपान्तरण की प्रकिया विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य

अभिव्यक्तियां

जन भाषा और लोकप्रिय संस्कृति लेखन के विविध रूप, मौखिक लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य-पाठ्य

रचनात्मक लेखन : रचना कौशल-विश्लेषण

रचना-सौष्ठव : शब्द-शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वकताएं

विविध विद्याओं की आधारभूत रचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा-सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र परिवेश और विमर्श

ग. नाट्यसाहित्य: वस्तु, पात्र परिवेश और रंगकर्म

घ. विविध गद्य-विधाएं: निबंध, संस्मरण और व्यंग्य

ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

सूचना तंत्र के लिये लेखन

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

प्रिंट माध्यम : फीचर लेखन, यात्रा वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक-समीक्षा

इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- रचनात्मक लेखन के स्वरूप से अवगत कराना।
- रचना कौशल से अवगत कराना।
- कथा साहित्य से अवगत कराना।
- बाल साहित्य से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- लेखन के विविध रूप समझ पाएंगे।
- रचनात्मक लेखन के विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र समझ पाएंगे।
- नाट्य साहित्य को समझ पाएंगे।
- प्रिंट माध्यम को समझ पाएंगे।

5th Semester (Honours)

DSC-CC 511

हिंदी कहानी

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात : प्रेमचंद
- आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
- पाजेब : जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम : फणीश्वरनाथ रेणु
- मलबे का मालिक : मोहन राकेश
- परिंदे : निर्मल वर्मा
- ऐ लड़की : कृष्णा सोबती

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी कहानी के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- कहानी कला के तत्वों को समझना।
- हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों से परिचित कराना।
- विभिन्न कहानी आंदोलनों से परिचित कराना।
- कहानी के माध्यम से भारतीय समाज में आए बदलावों से अवगत कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी कहानी के उद्भव एवं विकास को समझ पाएंगे।
- हिन्दी के प्रमुख कहानिकारों से परिचित हो पाएंगे।
- प्रमुख कहानी आंदोलनों से परिचित हो पाएंगे।
- कहानियों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी कहानी की रचना प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त कर कहानी लेखन की ओर प्रवृत्त होंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

DSC-CC 512
हिंदी उपन्यास

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- गबन - प्रेमचंद
- त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार
- चित्रलेखा - भगवती चरण वर्मा
- महाभोज - मन्नू भंडारी

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास से अवगत कराना।
- उपन्यास कला के तत्वों को समझना।
- हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकारों से परिचित कराना।
- उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियों की समझ विकसित करना।
- उपन्यास के माध्यम से भारतीय समाज में आए बदलावों से अवगत कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास से अवगत हो पाएंगे।
- उपन्यास कला के तत्वों को समझ पाएंगे।
- हिन्दी के प्रमुख उपन्यासकारों से परिचित हो पाएंगे।
- उपन्यास की प्रवृत्तियों को समझ पाएंगे।
- उपन्यास के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को समझ पाएंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

DSE-501A
अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

विमर्शों की सैद्धांतिकी :

- दलित विमर्श: अवधारणा और आन्दोलन, फुले और अम्बेडकर
- स्त्री विमर्श: अवधारणा और मुक्ति आन्दोलन (पाश्चात्य और भारतीय संदर्भ)
- आदिवासी विमर्श अवधारणा और आन्दोलन

विमर्शमूलक कथा साहित्य

- ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम
- हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर, पृष्ठ संख्या: 158-167
- नासिरा शर्मा - खुदा की वापसी

विमर्शमूलक कविता :

- दलित कविता : अछूतानंद (दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे) नगीना सिंह (कितनी व्यथा)
- स्त्री कविता : कात्यायनी सात भाइयों के बीच चम्पा, सविता सिंह मैं किसकी औरत हूँ।

विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएं :

- तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ठ संख्या 125 से 135)
- महादेवी वर्मा: स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- विमर्शों की सैद्धांतिकी से परिचय कराना।
- प्रमुख अस्मितामूलक विमर्शों से परिचय कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- विभिन्न विमर्शों से संबंधित साहित्यकारों से परिचय कराना।
- समाज में दलित, स्त्री और आदिवासियों की स्थिति से अवगत कराना।
- समय-समय पर हुए विभिन्न सामाजिक आंदोलनों से परिचय कराना।
- दलित, स्त्री और आदिवासी समाज के लिए हुए विभिन्न आंदोलनों एवं समाज सुधारकों से परिचय कराना।
- दलित, स्त्री और आदिवासी विमर्श पर लिखे गए कविता, कहानी, उपन्यास और आत्मकथा से परिचय कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विमर्शों की सैद्धांतिकी को समझ पाएंगे।
- प्रमुख अस्मितामूलक विमर्शों से परिचित हो पाएंगे।
- विभिन्न विमर्शों से संबंधित साहित्यकारों से परिचित हो पाएंगे।
- समाज में दलित, स्त्री और आदिवासियों की स्थिति से अवगत हो पाएंगे।
- समय-समय पर हुए विभिन्न सामाजिक आंदोलनों से अपनी समझ को विकसित कर पाएंगे।
- दलित, स्त्री और आदिवासी समाज के लिए हुए विभिन्न आंदोलनों एवं समाज सुधारकों से परिचित हो पाएंगे।
- दलित, स्त्री और आदिवासी विमर्श पर लिखे गए कविता, कहानी, उपन्यास और आत्मकथा से परिचित हो पाएंगे और उनकी समीक्षा अपने अनुसार कर पाएंगे।
- दलित, स्त्री और आदिवासियों की सामाजिक स्थिति की समझ विकसित हो पाएगी।
- विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

अथवा

501B

कला और साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- कला और साहित्य का अंतस्संबंध
- कला और समाज का अंतस्संबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौन्दर्यशास्त्रीय महत्त्व

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- कला और हिंदी साहित्य के सम्बंध की परम्परा
- लोक-कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्त्व।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- कला और साहित्य के अंतस्संबंध से अवगत कराना।
- कला और समाज के अंतस्संबंध से अवगत कराना।
- भारतीय कला का विकास से परिचय कराना।
- कला और हिंदी साहित्य के सम्बंध की परम्परा से अवगत कराना।
- लोक-कला के माध्यम से समाज को देखने और समझने की बौद्धिकता का विकास करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- कला और साहित्य के अंतस्संबंध से परिचित हो पाएंगे।
- कला और समाज के अंतस्संबंध से परिचित हो पाएंगे।
- भारतीय कला के विकास से परिचित हो पाएंगे।
- कला और हिंदी साहित्य के सम्बंध की परम्परा से परिचित हो पाएंगे।
- लोक-कला के माध्यम से समाज को देखने और समझने की बौद्धिकता का विकसित हो पाएगी।
- लोक-कला की समजशास्त्रीय समझ विकसित हो पाएगी।
- विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

DSE-502A
प्रेमचंद

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- उपन्यास सेवासदन
- नाटक कर्बला
- निबंध साहित्य का उद्देश्य
- कहानियां- ईदगाह, दो बैलों की कथा, मुक्तिमार्ग, नमक का दरोगा, शतरंज के खिलाड़ी।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- प्रेमचंद के साहित्यिक प्रतिमानों से अवगत कराना।
- भारतीय साहित्य में प्रेमचंद के अवदान से अवगत कराना।
- प्रेमचंद की कहानियों के माध्यम से भारतीय समाज की समझ विकसित करना।
- साहित्य का अर्थ और उसकी उपादेयता से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रेमचंद के साहित्यिक अवदान से अवगत हो पाएंगे।
- भारतीय साहित्य में प्रेमचंद के अवदान से अवगत हो पाएंगे।
- प्रेमचंद की कहानियों के माध्यम से भारतीय समाज को देखने और समझने की दृष्टि विकसित होगी।
- प्रेमचंद की रचनाधर्मिता की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

502B
आधुनिक भारतीय साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव।
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता।
- आनंद मठ - बंकिम चंद्र ।
- सुब्रमण्यम भारती की कविताएं यह है भारत देश हमारा, वंदे मातरम्, निर्भय, आजादी का एक पल्लू।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- नवजागरण की समझ विकसित करना।
- आधुनिक भारतीय साहित्य में अभिव्यक्त नवजागरण एवं राष्ट्रीय चेतना की समझ विकसित करना।
- नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना की विशेषताओं से अवगत कराना।
- भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक योगदान की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारतीय साहित्य की पृष्टभूमि का उल्लेख कर सकेंगे।
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के विकास को स्पष्ट कर सकेंगे।
- नवजागरण और राष्ट्रीय चेतना की सामान्य विशेषताएँ बता सकेंगे।
- आधुनिक भारतीय साहित्य के ऐतिहासिक योगदान को बता सकेंगे।
- भारतीय भाषाओं में लिखे गए कहानी, उपन्यास, कविताओं से अवगत होंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

5th Semester (Programme)

DSE-5A

प्रयोजनपरक हिंदी

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

1. प्रयोजनपरक हिंदी अवधारणा और विविध क्षेत्र, प्रयोजनपरक हिंदी के सर्जनात्मक आयाम
2. माध्यम लेखन :

   विविध संचार माध्यम परिचय एवं कार्यविधि

   श्रव्य माध्यम : रेडियो

   श्रव्य दृश्य माध्यम: टेलीविजन और फिल्म

   तकनीकी माध्यम : इंटरनेट

   मिश्र माध्यम: विज्ञापन

   समाचार पत्र

3. संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र इंटरनेट : सामग्री-सृजन, संयोजन एवं प्रेषण।
4. अनुवाद :

   अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप और महत्त्व अनुवाद के प्रकार

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- प्रयोजनपरक भाषा से अवगत कराना।
- हिन्दी भाषा के प्रयोग क्षेत्र से अवगत कराना।
- माध्यम लेखन से परिचित कराना।
- विभिन्न संचार माध्यमों से अवगत कराना।
- इंटरनेट के प्रयोग से जानकारी प्राप्त करने के तरीकों से अवगत कराना।
- अनुवाद की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- जनसंचार माध्यमों में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- प्रयोजनपरक भाषा से परिचित हो सकेंगे।
- हिन्दी भाषा कें प्रयोग क्षेत्र की समझ विकसित होगी।
- विभिन्न माध्यम लेखन का प्रयोग अपने भविष्य के लिए कर सकेंगे।
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों में अपने लिए रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अथवा

DSE-5A

1. कबीरदास

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

पाठ्य पुस्तक : कबीर ग्रंथावली (सम्पादक-श्यामसुंदर दास) 20 साखी गुरुदेव को अंग (आरंभिक 4 साखी), सूरा तन को अंग (आरंभिक 4 साखी), परचा को अंग (आरंभिक 4 साखी), मन को अंग (आरंभिक 4 साखी), माया को अंग (आरम्भिक 4 साखी), एवं 10 पद (आरंभिक)।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- कबीर के साहित्यिक अवदानों की गहरी समझ विकसित करना।
- कबीर के माध्यम से समाज के अपेक्षित बदलावों से अवगत कराना।
- कबीर के काव्य की भावगत एवं शिल्पगत उपलब्धियों से परिचित कराना।
- कबीर के काव्य की परंपरा का सामान्य बोध कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी काव्य के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर काव्य-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे।
- कबीर के साहित्य की गहरी समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

GE-Paper-I

सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- रिपोर्ताज अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री निर्धारण, लेखन-प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध
- विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू भेंटवार्ता) उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्त्व।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा कौशल के विभिन्न आयामों से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।
- फीचर लेखन से अवगत कराना।
- रिपोतार्ज एवं साक्षात्कार से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
- वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे।
- साक्षात्कार विषय की पहचान कर सकेंगे।
- फीचर लेखन कौशल सीखेंगे।

SEC-2 Paper I
भाषा शिक्षण

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- हिंदी भाषा एवं शब्द भंडार तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज, कृत्रिम ।
- भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिंदीतर भाषियों, विभाषियों- विदेशों के बीच
- द्वितीय भाषा रूप में।
- भाषा-विज्ञान के मूलाधार मानक वर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास ।
- देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता, कम्प्यूटरीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की
- आवश्यकता।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषा शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पना से अवगत कराना।
- हिंदी शिक्षण से अवगत कराना।
- भाषा शिक्षण की विधियों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- भाषा शिक्षण के आधारभूत संरचना को समझ पाएंगे।
- हिंदी शिक्षण को समझ पाएंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- विदेशों में हिंदी का रूप समझ पाएंगे।
- भाषा शिक्षण की विधियां समझ पाएंगे।

अथवा

SEC-2 Paper I

चलचित्र लेखन

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- भारतीय सिनेमा का इतिहास। हिंदी पटकथा लेखन (सिनेरियो) का क्रमिक विकास, संवाद लेखन-प्रणाली या प्रविधि।
- रीमेक फिल्मों का भाषिक पक्ष, समकालीन हिंदी फिल्मों की भाषिक संरचना। वृत्त चित्र की निर्माण पद्धति, फीचर। हिंदी में निर्मित विज्ञापन
- फिल्में (एड-फिल्में)।
- हिंदी की विश्व व्याप्ति में फिल्मों की भूमिका ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- भारतीय सिनेमा के इतिहास से परिचित कराना।
- पटकथा लेखन से अवगत कराना।
- सिनेमा का समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की समझ विकसित करना।
- फिल्मों की भाषा के प्रति सजग दृष्टिकोण प्रदान करना।
- हिन्दी भाषा के वैश्विक पहचान में फिल्मों की भूमिका से परिचित कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारतीय सिनेमा के इतिहास से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी पटकथा लेखन कौशल सीखेंगे।
- पटकथा लेखन में रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।
- एड-फिल्मों में रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

6TH semester (Honours)

DSC-CC 613

भारतीय काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार। रस सिद्धांत, रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धांत - ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धांत - अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- संस्कृत काव्यशास्त्र की चिंतन दृष्टि से परिचय कराना।
- विभिन्न संप्रदायों और उनके आचार्यों से अवगत कराना।
- रस, अलंकार और ध्वनि संप्रदाय की जानकारी, उनकी शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
- विभिन्न काव्य सिद्धांतों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा एवं विकासक्रम से परिचित होंगे।
- काव्य के अर्थ और स्वरूप से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी विभिन्न संप्रदायों और उनके आचार्यों के विषय में बता सकेंगे।
- विभिन्न आचार्यों की चिंतन दृष्टि का परिचय दे सकेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

DSC-CC 614
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- प्लेटो काव्य सम्बंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू - अनुकृति एवं विरेचन।
- लॉजाइनस काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वर्ड्सवर्थ - काव्य भाषा का सिद्धांत।
- टी. एस. एलियट परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।
- आई. ए. रिचर्डस - मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- पाश्चात्य समीक्षा, चिंतन के प्रति जागरूक करना।
- विभिन्न पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों से अवगत कराना।
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र के इतिहास से अवगत कराना।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान आदि से अवगत कराना।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विभिन्न पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों की समझ विकसित होगी।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान आदि को परिभाषित कर सकेंगे।
- विभिन्न पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों के स्वरूप का विवेचन कर सकेंगे।
- औपनिवेशिकता की अवधारणा का विवेचन कर सकेंगे।
- हिन्दी साहित्य पर मनोविश्लेषण और औपनिवेशिकता के प्रभाव को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

DSE-603A
छायावाद

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- जयशंकर प्रसाद- वे कुछ दिन, अरी वरुणा की शांत कछार, अब जागो जीवन के प्रभात
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला- राजे ने, खुला आसमान, जय तुम्हारी
- सुमित्रानंदन पंत ताज, ग्राम देवता, परिवर्तन
- महादेवी वर्मा - कौन तुम मेरे हृदय में, हे चिर महान, मैं नीर भरी दुख की बदली।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- छायावाद की गहरी समझ विकसित करना।
- छायावाद काव्य की प्रवृत्तियों का बोध कराना।
- छायावाद के कवियों के काव्य की भावगत एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
- छायावाद काव्य का राष्ट्रीय आंदोलन पर प्रभाव से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी छायावाद काव्य का प्रवृत्तिमूलक ज्ञान अर्जित करेंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- छायावाद के कवियों का परिचय प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

अथवा

603B-

हिंदी पत्रकारिता

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व

हिंदी पत्रकारिता के विभिन्न चरण स्वतंत्रता पूर्व युग, स्वातंत्र्योत्तर युग परिचय और प्रवृत्तियां पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका

महत्त्वपूर्ण पत्र-पत्रिकाएं बनारस अखबार, सरस्वती, कर्मवीर, हंस।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पत्रकारिता की बारीकी से ज्ञान प्रदान करना।
- मीडिया के विविध पहलुओं से अवगत कराना।
- हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से अवगत कराना।
- हिन्दी की प्रमुख पत्रकारिता से परिचय कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- पत्रकारिता के विविध पहलुओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी पत्रकारिता के इतिहास को जानेंगे।
- पत्रकारिता में रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

DSE-604A

राष्ट्रीय काव्यधारा

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

- मैथिलीशरण गुप्त - कैकेयी का अनुताप, हम कौन थे, प्रियतम तुम श्रुति पथ से
- माखनलाल चतुर्वेदी - पुष्प की अभिलाषा, कैदी और कोकिला
- बालकृष्ण शर्मा नवीन- कवि कुछ ऐसी तान, पराजित का गीत, हम अनिकेतन
- रामधारी सिंह दिनकर- विपथगा, हिमालय, दिल्ली

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

- राष्ट्रीय आंदोलन और हिन्दी कविता के अन्तःसंबंध से अवगत कराना।
- राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवियों से परिचित कराना।
- राष्ट्रीय भावना की प्रमुख कविताओं से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन और हिन्दी कविता के अन्तःसंबंध को जान पाएंगे।
- कवि एवं उनके महत्वपूर्ण काव्य से अवगत होंगे।
- विद्यार्थियों में व्याख्या करने की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

अथवा

604 B

संपादन प्रकिया और साज-सज्जा

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्त्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ, समाचार विश्लेषण, सम्पादन-कला के सामान्य सिद्धांत।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री का मूल्यांकन और सम्पादन। सम्पादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका। प्रिंट मीडिया की प्रयोजनपरक शब्दावली।

सम्पादकीय लेखन : प्रमुख तत्त्व एवं प्रविधि। सम्पादकीय का सामाजिक प्रभाव।

समाचार पत्र एवं पत्रिका के विविध स्तम्भों की योजना और उनका सम्पादन। साहित्य और कला जगत की सामग्री के सम्पादन की विशेषताएं। छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का सम्पादन ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- समाचार सम्पादन-कला की समझ विकसित करना।
- सम्पादन-कला के सिद्धांतों से परिचय कराना।
- प्रिन्ट मीडिया में प्रयुक्त होने वाली शब्दावलियों से अवगत कराना।
- संपादकीय लेखन की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- सम्पादन-कला की समझ विकसित होगी।
- सम्पादन-कला के सिद्धांतों को समझ पाएंगे।

- संपादकीय लेखन कर पाएंगे।
- पत्रकारिता में रोजगार के अवसर का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

6TH Semester (Programme)

DSE - 6A

हिंदी रेखाचित्र

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

शिवपूजन सहाय- महाकवि जयशंकर प्रसाद

बनारसीदास चतुर्वेदी- बाईस वर्ष बाद

हजारी प्रसाद द्विवेदी- एक कुत्ता और एक मैना

महादेवी वर्मा– गिल्लू

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी रेखाचित्र के विकास से अवगत कराना।
- रेखाचित्र के तत्वों से अवगत कराना।
- हिन्दी के प्रमुख रेखाचित्रकारों से परिचित कराना।
- कथेतर गद्य के प्रति रुचि बढ़ाना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी रेखाचित्र के विकास को जान पाएंगे।
- कथेतर गद्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- हिन्दी के प्रमुख रेखाचित्रकारों को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

अथवा

DSE-6A

हिंदी संस्मरण साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अज्ञेय स्मरण का स्मृतिकार (राय कृष्णदास)

नगेन्द्र - दादा स्व. पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन

माखनलाल चतुर्वेदी - तुम्हारी स्मृति

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

महादेवी वर्मा - निराला भाई

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी संस्मरण के विकास से अवगत कराना।
- संस्मरण के तत्वों से अवगत कराना।
- हिन्दी के प्रमुख संस्मरणकारों से परिचित कराना।
- कथेतर गद्य के प्रति रुचि बढ़ाना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी संस्मरण के विकास को जान पाएंगे।
- कथेतर गद्य के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- हिन्दी के प्रमुख संस्मरणकारों को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी शिक्षण सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

GE-2

पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन और हिंदी साहित्य

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अभिव्यंजनावाद

स्वच्छंदतावाद

अस्तित्त्ववाद

मनोविश्लेषणवाद

मार्क्सवाद

आधुनिकतावाद

कल्पना, बिंब, फैंटेसी

मिथक और प्रतीक।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र से अवगत कराना।
- काव्यशास्त्र के विभिन्न विधा से अवगत कराना।
- हिंदी साहित्य के विभिन्न 'वादों' से अवगत कराना।
- विभिन्न आलोचकों के मतों से अवगत कराना।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी काव्य में उपस्थित सिद्धांतों को समझ पाएंगे।
- विभिन्न दार्शनिक चिंतन से अवगत हो पाएंगे।
- अस्तित्ववाद की समझ विकसित कर पाएंगे।

SEC-2 Paper-II
अनुवाद विज्ञान

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

अनुवाद का तात्पर्य, अनुवाद के विभन्न प्रकार भाषान्तरण, सारानुवाद तथा रूपान्तरण में साम्य वैषम्य ।

अनुवाद के प्रमुख प्रकार-कार्यालयी, साहित्यिक, ज्ञान-विज्ञानपरक, विधिक, वाणिज्यिक ।

साहित्यिक अनुवाद के प्रमुख रूप-काव्यानुवाद, कथानुवाद, नाट्यानुवाद ।

वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली का अनुवाद, मुहावरों / लोकोक्तियों का अनुवाद, संक्षिप्ताक्षरों तथा कूटपदों का अनुवाद, आंचलिक

शब्दावली का अनुवाद, व्यंजनापरक लाक्षणिक पद प्रयोगों का अनुवाद।

हिंदी अनुवाद का भविष्य ।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- अनुवाद का अर्थ और स्वरूप से अवगत कराना।
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकृति से अवगत कराना।
- अनुवाद की प्रक्रिया से अवगत कराना।
- अनुवाद की प्रक्रिया में अनुवादक की भूमिका से परिचित कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी अनुवाद का अर्थ बता सकेंगे।
- अनुवाद के क्षेत्र एवं प्रकृति से अवगत कराना।
- अनुवाद की प्रक्रिया को बता सकेंगे।
- अनुवाद की प्रक्रिया में अनुवादक की भूमिका के बारे जान सकेंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighisa-734429
Dt. Darjeeling

अथवा

SEC-2 Paper-II

संभाषण कला

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

संभाषण का अर्थ। संभाषण के विभिन्न रूप-वार्तालाप, व्याख्यान, वाद विवाद, एकालाप, अवाचिक अभिव्यक्ति, जन संबोधन।

संभाषण कला के प्रमुख उपादान (वाल्यूम), वेग, लहजा (एक्सेण्ट) यथेष्ट भाषा ज्ञान, मानक उच्चारण, सटीक प्रस्तुति, ध्वनि अंतराल

संभाषण कला के विभिन्न रूप, उद्घोषणा कला (अनाउन्समेंट), आखों देखा हाल (कमेन्ट्री), संचालन (एंकरिंग), वाचन कला, समाचार वाचन (रेडियो, टी. वी.) मंचीय वाचन (कविता, कहानी, व्यंग्य आदि)

वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं समूह संवाद।

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- संभाषण का अर्थ और स्वरूप बता सकेंगे।
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानों को जान पाएंगे।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपों को जान पाएंगे।
- समाचार वाचन और मंचीय वाचन सिखाना।
- संचालन कला से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes)

- संभाषण का अर्थ और स्वरूप से अवगत कराना।
- संभाषण कला के प्रमुख उपादानों से अवगत कराना।
- संभाषण कला के विभिन्न रूपों से अवगत कराना।
- समाचार वाचन और मंचीय वाचन सीख पाएंगे।
- विद्यार्थी संचालन सीख पाएंगे।
- समाचार वाचन में रोजगार के लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

Principal
BIRSA MUNDA COLLEGE
P.o. Hatighise-734429
Dt. Darjeeling